**Regarding Celebration of Muharram in Uttar Pradesh**

श्री जिया उर रहमान **(सम्भल) :** सद्र-ए-मोहतरमा, मैं आपका शुक्रिया अदा करता हूं कि आपने मुझे बोलने का मौका दिया । मुझे सम्भल लोकसभा क्षेत्र की अवाम ने जिताकर भेजा है, मैं उनका भी शुक्रगुजार हूं ।

मैं आपका ध्यान इस मुहर्रम के जुलूस की तरफ दिलाना चाहता हूं । हज़रत अली के बेटे हज़रत इमाम हुसैन ने शहीद होकर हक और इंसाफ को बचाने का काम किया था । यह अफसोस की बात है कि इस बार उत्तर प्रदेश में सम्भल, मुरादाबाद में जुलूस के मनाने में अड़चन पैदा की गई । एक तानाशाह आदेश जारी किया गया कि उस जुलूस को परंपरागत तरीके से नहीं मना सकते और सम्भल, मुरादाबाद, अमरोहा, सम्भल कुंदरकी बिलारी और चंदौसी के अंदर पुलिस प्रशासनिक अधिकारियों ने उत्पीड़न पैदा किया । ? (व्यवधान)

माननीय सभापति **:** यह राज्य का विषय है ।

? (व्यवधान)

श्री जिया उर रहमान **:** उन्होंने लोगों को धमकाकर, उसकी हाइट को कम करके उनके खिलाफ कार्रवाई की । ? (व्यवधान) हम सभी धर्मों की इज्जत करते हैं । कांवड़ यात्रा निकल रही है, हमें उससे कोई परहेज़ नहीं है । ? (व्यवधान)